तापमान
अधिकतम 35 .2 डिग्री
न्यूनतम 22 .2 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 4 अगस्त 2025

9 महर्षि दयानन्द सरस्वती के जीवन से लें प्रेरणा

10 खिलाड़ियों ने फुटबॉल, नेटबॉल और बॉक्सिंग ...

खबर संक्षेप

शिविर में 155 लोगों की आंखों को जांचा

रोहतक। एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन की अध्यक्षता में कमलेश सेवार्थ फाउंडेशन व बीपी जैन स्किल डेवलोपमेन्ट सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश शर्मा द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। जगत सिंह गिल द्वारा लोगों को नेत्रदान के बारे में जागरूक किया गया। इस शिविर में 155 लोगों की आंखों का चेकअप हुआ और सभी को मुफ्त में दवाई भी वितरित की गई। इस शिविर में कमलेश सेवार्थ फाउंडेशन से इंदु , राजीव जैन, भारत भूषण अजमेर ने पूरा सहयोग दिया।

वीसी ने किए 12 शैक्षणिक परिषद सदस्य मनोनीत

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने एमडीयू एक्ट के स्टैच्युट 12 के तहत शैक्षणिक परिषद के 12 सदस्यों को मनोनीत किया है। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने बताया कि शैक्षणिक परिषद के चयनित सदस्य हैं। विधि विभाग से डॉ. सुरेन्द्र सिंह, सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी से डॉ. विकास राज, फार्मेसी से डॉ. अनुराग खटकड़, फोरेंसिक साइंस से डॉ. राजविंदर सिंह, फार्मेसी से डॉ. मीनू, फिजिक्स से डॉ. रजनी बाला, गणित से डॉ. जगबीर सिंह, एमडीयू-सीपीएएस, गुरुग्राम से डॉ. प्रतिभा भारद्वाज, गणित से डॉ. मीनाक्षी, एलएन हिन्दू कालेज के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा, महाराजा अग्रसेन पीजी कालेज फॉर वुमेन, झज्जर की प्राचार्या डॉ. माधवी शर्मा तथा राजकीय महिला महाविद्यालय, झज्जर के प्राचार्य डॉ. दलबीर सिंह को चयनित किया गया है।

बदमाशों ने दुकानदार से साथ की मारपीट

रोहतक। गांव खरावड़ के दुकानदार पर देर रात कार सवार बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले के बाद कार सवार बदमाश जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। इसकी सूचना पीड़ित ने पुलिस चौकी में दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही आस-पास लगे सीसीटीवी भी खंगाल रही है। पीड़ति आदित्य ने बताया कि गांव खरावड़ में सर्विस स्टेशन के सामने किरयाने की दुकान कर रखी है। गांव के विरेंदर उर्फ बैंडर, दीपक और उनके साथ 3 अन्य लोग आए और सामान के लेनदेन को लेकर आपस में कहासुनी हो गई।

फायर स्टेशन के पास किया पौधरोपण

रोहतक। संसार कल्याण ट्रस्ट द्वारा सेक्टर-5 में फायर स्टेशन के पास वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के प्रधान डॉक्टर शेखर राणा और महासचिव डॉक्टर दिनेश कुंडू ने बताया इस पहल का मुख्य संदेश है एक पेड़, परिवार के नाम, जो हमें यह याद दिलाता है कि हर व्यक्ति को अपने परिवार के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस ट्रस्ट का मुख्य उदेश्य जीव सेवा और जरूरत मंदों की मदद करना है।

शिविर में 112 मरीजों ने कार्रवाई जांच

रोहतक। डीएलएफ कालोनी स्थित बाबा बंदा सिंह बहादुर चैरिटेबल डिस्पेंसरी में रविवार को निशुल्क किडनी जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 112 मरीजों की जांच की गई।

तेज बरसात के बाद जमा हुआ बरसाती पानी अब भी जगह-जगह खड़ा

बाहरी कॉलोनियों, पार्कों, प्लाटों और खेतों में जलभराव निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग हो रहे परेशान

- नालियों की सफाई न होने मच्छर और कीड़े मकोड़े पैदा हो रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारी बरसात के कई दिन बाद भी जिले में दर्जनों कॉलोनियों, खाली प्लाट, गलियों और खेतों में जलभराव बना हुआ है। इसकी वजह से लोगो को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। पानी की वजह से मच्छरों की संख्या बढ़ रही है जिससे आने वाले दिनों में बीमारियों का खतरा बन गया है। लोगों ने प्रशासन से समस्या के समाधान की मांग की है। इसके अलावा सेक्टर और ग्रामीण क्षेत्रों में काफी बड़े स्तर पर जलभराव हुआ है जिसकी वजह से लोग अपने दैनिक कार्य भी नहीं कर पा रहे हैं।

गढ़ी बोहरवासी परेशान

जिले के गांव गढ़ी बोहर क्षेत्र में बीते कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते हालात बेहद खराब हो गए हैं। क्षेत्र की अधिकतर गलियों और खाली प्लाटों में पानी भर चुका है, जिससे आमजन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नालियों की सफाई न होने और जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने की वजह से पानी निकासी में कठिनाई आ रही है। लगातार इस समस्या से जूझ रहे हैं। घरों के बाहर पानी जमा होने के कारण बच्चों और बुजुर्गों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

गांवों में जलभराव से जन-जीवन प्रभावित

सेक्टर 4 की गलियां लबालब

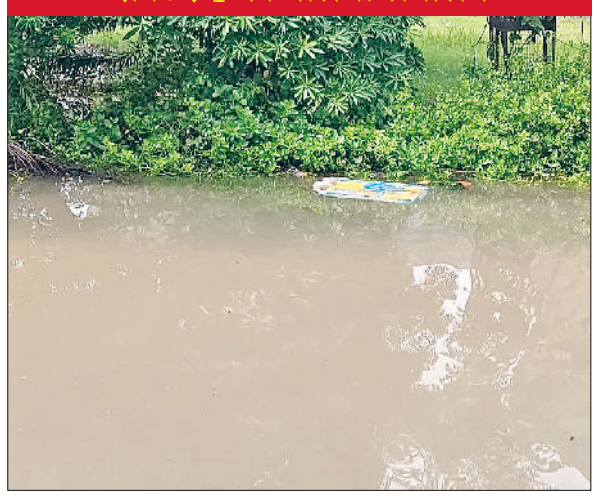

सेक्टर चार भी अछूता नहीं

सेक्टर चार में भी कई दिन से बरसात का पानी भरा हुआ है। सेक्टर की अधिकतर गलियों में पानी भरा हुआ है। जहां पानी का स्तर कम हुआ है वहां बदबू की वजह से लोग परेशान हैं। इसकी वजह से बच्चों को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार प्रशासन को शिकायत की है। पानी की वजह से मच्छरों की संख्या बढ़ती जा रही है।

सेक्टर दो पार्क में सैर पर लगी रोक

शहर के अधिकतर पार्कों में कई दिन से जलभराव हो गया है। सेक्टर 14, सेक्टर एक दो, सहित अन्य पार्कों में पानी जमा होने से मच्छरों की संख्या बढ़ गई है। इस वजह से लोगों का पार्क में आजा जाना भी प्रभावित हो रहा है। पार्कों से पानी की निकासी के लिए कोई समाधान नहीं किए गए हैं। जिसकी वजह से समस्या बनी हुई है।

गंदे पानी की वजह से आ रही बदबू

नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे दुर्गंध भी फैल रही है और वातावरण अस्वच्छ होता जा रहा है। सिर्फ गलियों ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के कई खाली प्लाटों में भी भारी मात्रा में पानी भर गया है। ये प्लाट अब मच्छरों के प्रजनन केंद्र बन चुके हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम होते ही मच्छरों का आतंक शुरू हो जाता है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी अब मंडराने लगा है। बावजूद इसके नगर निगम या प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने बताया कि उन्होंने कई बार इस मुद्दे की शिकायत संबंधित अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से की, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिले। कोई भी स्थायी समाधान नहीं किया गया।

लाढ़ौत के सरकारी स्कूल में खड़ा पानी

रोहतक। लाढ़ौत के सरकारी स्कूल में घुसा बरसाती पानी, कैसे होगी बच्चों की पढ़ाई। *फोटो : अनिल चहल*

फिसलने का भी खतरा बना रहता

क्षेत्र निवासी रामफल, सुनीता देवी, मनोज कुमार आदि ने बताया कि बच्चों का स्कूल जाना भी मुश्किल हो गया है, क्योंकि गलियों में कीचड़ और गंदा पानी फैला हुआ है। वाहन फिसलने का भी खतरा बना रहता है। साथ ही, बिजली के खंभों के पास पानी जमा होने के कारण करंट लगने का भी डर बना हुआ है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द नालियों की सफाई करवाई जाए, जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए और मच्छरों की रोकथाम के लिए दवा का छिड़काव करवाया जाए। यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो यह क्षेत्र एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर बढ़ सकता है।

904 मतदाताओं ने भाग लिया, 7 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए

जैन सभा के चुनाव के लिए 50 कॉलेजियम चुने गए, 21 अगस्त को गवर्निंग बॉडी के चुनाव होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जैन सभा त्रिवार्षिक 2025 - 28 चुनाव के लिए 50 कॉलेजिमयम सदस्य चुने गए। अधिसूचना अनुसार कुल 65 कॉलेजियम में से 50 कॉलेजियम के लिए एक-एक प्रत्याशी का आवेदन आया था। बचे 15 कॉलेजियम के चुनाव लिए दो-दो प्रत्याशी मैदान में रहे थे। जिसके लिए चुनाव अधिसूचना में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जैन पब्लिक स्कूल, माता दरवाजा, जींद रोड पर मतदान द्वारा चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें कुल 904 मतदाताओं ने भाग लिया। चुनाव आयोग द्वारा 7 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए, जिन्होंने सभी जैन सभा के सदस्यों के सहयोग से चुनाव को निष्पक्ष रूप से सम्पन्न करवाया। 50 कॉलेजियम में निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों में कॉलेजियम न. 1. वरुण जैन 2. मनीष जैन, 3. शैलेश जैन, 5. अतुल जैन लोहिया, 6. अजीत जैन लोहिया, 7. सिद्धार्थ जैन, 8. राकेश कुमार जैन, 9. आशु जैन. 10. विकास जैन, 11. बिमल प्रसाद जैन, 12. अमित जैन, 13. प्रभाष जैन, 14. निशा जैन, 15. भूपेश जैन, 16. हंसराज जैन, 17. मनोज कुमार जैन, 18. राजबीर जैन, 19. सुनील जैन, 20. रितेश जैन, 21. मुकेश जैन, 22. रवि जैन, 25. कुनाल जैन, 26. पुनीत जैन, 27. अनुज जैन, 28. राजेश जैन, 29. आनंद जैन, 30. विवेक जैन, 32. आशीष जैन, 33. अचिन जैन, 34. नितिन जैन, 35. प्रवीन जैन, 36. अरुण कुमार जैन, 38. रविंदर जैन, 39. सचिन जैन, 46. प्रवीन जैन, 47. रमेश जैन, 48. जंबू जैन, 49. अमित जैन, 50. रविंदर कुमार जैन, 51. अजय जैन, 52. श्यामलाल जैन, 54. दीपक कुमार जैन, 55. गगन जैन, 57. नरेश जैन, 59. अशोक जैन, 60. सुमित जैन, 61 मुकेश जैन, 62 चकित जैन, 63 अजय जैन, 64 सुनील जैन 65 ऋषिपाल जैन निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इसके अलावा 15 कॉलेजियम में गुप्त मतदान द्वारा निर्वाचित हुए प्रत्याशियों के नाम कोलिजियम न. 4. से अरिहंत जैन, 19 से सुनील जैन, 23. से अतुल जैन, 24 में फ्वन जैन, 31 से प्रदीप जैन, 37 से मोहित जैन, 40 से सुमित जैन, 41 से ईश्वर चंद जैन, 42 से चकरेश जैन, 43 से अरुण जैन, 44 से नरेंद्र कुमार जैन, 45 से मोहित जैन, 53 से राकेश कुमार जैन, 56 से अशोक कुमार जैन, 58. अजीत जैन निर्वाचित हुए। चुनाव अधिसूचना में पूर्व निर्धारित अनुसार शासकीय निकाय के 5 पदाधिकारी व 8 सदस्यों के लिए चुनाव 17 अगस्त 2025 को मतदान द्वारा जैन पब्लिक स्कूल में होगा, जिसमें निर्वाचित 65 प्रत्याशी भाग लेंगे।

सड़क पर पानी जमा होने की वजह से दिनभर लगते हैं लंबे जाम

दिल्ली-हिसार एनएच 9 पर भैणी महाराजपुर गांव में बरसाती पानी से टूटी सड़क, कई वाहन पलटे

- टोल रोड पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने से वाहन चालकों में भारी रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम चीनी मिल के के पास स्थित भैणी महाराजपुर गांव में दिल्ली हिसार राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर-9 पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। क्योंकि सड़क पर बरसाती पानी जमा है और इस बरसाती पानी की वजह से सड़क टूट गई है। यहां सड़क के दोनों तरफ दिनभर लंबे लंबे जाम लगते हैं। वाहन चालकों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार यहां पर वाहन पलट भी चुके हैं। शनिवार को एक ट्रक पलट गया था, जिसको रविवार को उठाया गया। कई वाहन इन गड्ढों में फंसकर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। दिल्ली हिसार, महम, रोहतक, हांसी, सिरसा, फतेहाबाद, अबोहर, फाजिल्का, सांपला, बहादुरगढ़ समेत हरियाणा के विभिन्न गांवों और शहरों की ओर आने व जाने वाले लोगों को यहां से गुजरना पड़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग की ऐसी हालत देखकर लोग कहते हैं कि वैसे तो यह टोल रोड है और महम के मदीना के पास व हांसी के रामायण गांव के पास वाहन चालकों से टोल टैक्स वसूला जा रहा है। लेकिन हाइवे के हालात इतने खराब है कि यहां पर लोगों की दुर्गति हो रही है। वाहन चालकों और यात्रियों ने जिला उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह से इस मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और सड़क को दुरुस्त करवाने की मांग की है।

महम। भैणी महाराजपुर गांव में एनएच 9 पर बने गड्ढों की वजह से पलटने के बाद सड़क पर पड़ा वाहन। फोटो : हरिभूमि

कार्यशाला पीजीआईएमएस में दो दिवसीय टेम्पोरल बोन डिसेक्शन वर्कशॉप

युवा ईएनटी सर्जनों को आधुनिक सर्जिकल तकनीकों और हैंड्स ऑन अभ्यास का सजीव एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जैनेक्स्ट मैडएड फाउंडेशन और पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर चिकित्सा विज्ञान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय टेम्पोरल बोन डिसेक्शन वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। यह शैक्षणिक कार्यक्रम पीजीआईएमएस के निदेशक कार्यालय स्थित समिति सभागार में भव्य उद्घाटन सत्र के साथ प्रारंभ हुआ। मंच का संचालन जनसंपर्क विभाग के इचार्ज डॉ. वरुण अरोड़ा ने मंच का संचालन किया।

उद्घाटन समारोह की शोभा संस्थान के निदेशक प्रो. सुरेश कुमार सिंघल, पूर्व ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. विकास कक्कड़, तथा जैनेक्स्ट मैडएड फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. भूषण की गरिमामयी उपस्थिति से और बढ़ गई। कार्यक्रम में हरियाणा मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार मनदीप सचदेवा बतौर पर्यवेक्षक विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने आयोजन की शैक्षणिक गुणवत्ता की सराहना की। इस कार्यशाला में पंजाब, जम्मू, उत्तर प्रदेश, हरियाणा सहित देश के विभिन्न राज्यों से एमएस ईएनटी के छात्र एवं युवा ईएनटी सर्जनों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों को टेम्पोरल बोन की सूक्ष्म शारीरिक रचना, आधुनिक सर्जिकल तकनीकों और हैंड्स-ऑन अभ्यास का सजीव एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से आए अनुभवी आमंत्रित फैकल्टी सदस्यों ने अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए और सर्जनों को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. भूषण और आयोजन अध्यक्ष डॉ. विकास कक्कड़ ने बताया कि यह कार्यशाला जैनेक्स्ट ईएनटी सर्जन्स प्लेटफॉर्म की एक श्रृंखला का हिस्सा है। यह श्रृंखला प्रत्येक तिमाही में आयोजित की जाती है, ताकि निरंतर कौशल-विकास सुनिश्चित किया जा सके। समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

ये विशेषज्ञ रहे शामिल

डॉ. एसपीएस यादव, डॉ. सुनील, डॉ. धर्मेंद्र कुमार (आगरा), डॉ. मोहनिश ग्रोवर (जयपुर), डॉ. अनीश गुप्ता (गुरुग्राम), डॉ. अखिल प्रताप (आगरा), डॉ. आकृति शर्मा (गुरुग्राम), डॉ. विनीत पंचाल (करनाल), डॉ. जसदीप मोंगा, डॉ. सुरेंद्र बिश्नोई, तथा डॉ. उमा गर्ग, विभागाध्यक्ष खानपुर मेडिकल कॉलेज मौजूद रहे।

पुलिस ने साइबर ठगी को लेकर की एडवाइजरी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आजकल साइबर ठग, ठगी करने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। बहुत से बच्चे विदेशों में पढ़ाई के सिलसिले में गए हुए हैं। साइबर ठग इसी चीज का फायदा उठाते हुए विदेशों से कॉल करते हैं और कहते हैं कि आपके रिश्तेदार या आपके बच्चे का झगड़ा हो गया है और उस झगड़े में समझौता कराने के लिए पैसे देने पड़ेंगे। इसके अतिरिक्त साइबर ठग आपको यह भी कहते हैं कि आपके रिश्तेदार या आपके बच्चे का एक्सीडेंट हो गया है। उसको पुलिस ने पकड़ लिया है उसको बचाने के लिए पैसे देने पड़ेंगें या कहते हैं कि आपके बच्चे को किसी केस में पुलिस ने पकड़ लिया है जिसकी एवज में वे आपसे पैसों की मांग करते हैं, लेकिन हम अपने बच्चों के भविष्य को देखते हुए बिना सोचे समझें ही उनको पैसे भेज देते हैं और बाद में हमें पता चलता है कि हमारे साथ तो ठगी हुई है। इसके अतिरिक्त विदेश से कोई आपका रिश्तेदार बनकर आपको कॉल करता है कि उसने आपके खाते में रुपये डाले हैं वे रुपये आप से भारत में कोई एजेंट ले लेगा। साइबर ठग डाले हुए रुपयों की नकली रसीद भी आपको व्हाट्सएप पर देता है।

पुलिस ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि इस तरह के ठगो से सावधान रहें। यदि इस तरह की कोई फोन कॉल आपके पास आती है तो पहले अच्छी तरह इसकी जांच कर ले उसके बाद ही अगला कदम उठाएं। हमें सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। साइबर अपराधी अपराध करने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप-प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे।

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अब तो शारदा को बिना आवाजों के जीने की आदत हो गई है और साहब को भी अब बिना आवाजों के जीना पड़ेगा.....क्योंकि आवाजें चली गई हैं... सदा सदा के लिए... हालांकि कभी-कभी वह महसूस करता है कि आवाजें जरूरी होती हैं....क्योंकि वह हमारे होने का पता देती हैं.... आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें भी हैं..... आवाजें हमारी श्रवण शक्ति का प्रमाण ही तो हैं... आवाजें न हों तो हमारे न होने का भ्रम पैदा होता है..... लगता है जैसे हम हैं ही नहीं... लेकिन आवाजें चली गई और अपने साथ कानों को भी लेती गई.... शारदा घर में थी तो जैसे उसकी खुसर-पुसर ... दबे पांव चलने की कलाकारी ... जिंदगी का पता देती थी... लेकिन अब तो तमाम फुसफुसाहटें बीते जमाने की बातें हो गई हैं। शारदा को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती ... जब उसे सिंक में बर्तन साफ करने होते ... हालांकि वह बहुत ध्यान से एक एक बर्तन पर विम लगाती ... फिर पानी की टोंटी का प्रैशर ध्यान से खोलती ... पानी गिरने की आवाज भी कभी-कभी उसे चौंका देती... खासकर तब, जब बर्तन बड़ा होता और साहब घर पर होते... लेकिन वह झट से पानी को और भी कम कर देती क्योंकि साहब को आवाजें पसंद नहीं ...

उसे याद है शादी के बाद एक दो-बार को छोड़कर कभी भी साहब को यह नहीं कहना पड़ा..... शारदा..sss.....अब तो साहब ने कालेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है। ज्यादातर घर ही रहते हैं। लिखते-पढ़ते हैं और पेंशन के अलावा अपने लिखने से ही काफी कमा लेते हैं। वे अखबारों में लिखते हैं ... किताबें लिखते हैं... उनके पास दुनियाभर की बातें होती हैं ... लिखने को अकेले घंटों बैठे रहते हैं और हुक्का गुड़गुड़ाते हैं । हुक्का भी उनका छोटा सा ही है..... क्योंकि उन्हें पता है... बड़ा हुक्का ज्यादा आवाज करता है । शारदा की और साहब की उम्र में हालांकि 12 साल का फासला है... लेकिन फिर भी शारदा को अपना चुपजदा जीने का ढंग सीखने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके लिए वह अपनी दादी मां की बड़ी शुक्रगुजार है। उसे याद है जब वह छोटी थी ...महज 9 साल की ... पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी । बड़ा परिवार था । सब भाई बहन खाना खा रहे थे ।खाना खाकर शारदा ने जोर से डकार मारी...तो दादी ने तुरंत उसकी क्लास ले ली थी... ए !! लड़की !! ये क्या बेशर्मी है ? कुछ तो तमीज सीख ले... इतनी बड़ी हो गई है... और किसी बात की लियाकत नहीं है। खबरदार !! जो इतनी जोर से डकार मारी... अगले घर जाएगी... तो नाक कटवाएगी अपने बाबा की । बाबूजी भी सुनकर भीतर आए थे ... उसे याद है ... हालांकि बाबूजी ने तो उस दिन उसी की तरफदारी की थी। उन्होंने कहा था 'अरे ! क्या अम्मा ..छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को डांटती हो... हो जाएगी सयानी अम्मा... अभी बच्ची है...। अम्मां को हालांकि दादी का डांटना बुरा लगता था। लेकिन वह कभी बोल कर उनका विरोध नहीं करती थी । बहुत हुआ तो बस किसी बहाने से बच्चे को पकड़ कर अंदर ले जाती थी। घर में... खासकर लड़कियों का ऊंचा बोलना ... खाते वक्त पचर-पचर की आवाज करना... जोर से दरवाजा बंद करना... कुंडी को जोर से खोलना व जोर से हंसना ... बिल्कुल बैन था। उसे याद है जब एक बार सब आंगन में बैठे थे । शाम का वक्त था ... बड़े पलंग पर बच्चे मस्ती कर रहे थे... कि बड़की ने पाद मार दिया और सब बच्चे हंसने लगे, पहले धीरे-धीरे फिर जोर जोर से... छोटू की हंसी तो रुक ही नहीं रही थी.... कि दादी से रहा नहीं गया और वह फट पड़ी... क्या बेशर्मों की तरह दांत निकाल रहे हो..... कुछ तो शर्म करो... बड़े छोटे की ... और छोटू ने कहा था ..'दादी अम्मा !! बड़की ... और... बड़की चुपचाप उठकर अंदर चली गई थी। उस दिन शारदा को एक सबक मिला और फिर वह इस तरह की समस्याओं से निपटना सीख गई। साहब तो शादी भी नहीं करना चाहते थे । उन्हें छब्बीस साल की उम्र में नौकरी मिली और करीब सात साल तक शादी से बचते रहे। हालांकि इस बीच परिवार का दबाव भी आया। लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। कॉलेज में भी ले देकर एक मित्र था उनका, जिससे उनकी पटती थी । उसने भी बहुत कहा... 'यार ! शादी कर लेता.. तो हम भी तेरी बारात में नाच लेते एक दिन ... बीयर वीयर पीकर । कसम से ... आज तक नाचा नहीं हूं ... यार !! और यह हसरत मेरे साथ ही जाएगी...तो देख! तुझे पाप लगेगा .. देख ले... और साहब हंस कर टाल जाते। फिर एक दिन इतवार को वे अपनी बूढ़ी अम्मा के साथ शारदा को देखने आए। शारदा तब इक्कीस की थी और बी. ए. करके पढ़ाई छोड़ चुकी थी। साहब तैंतीस के हो चुके थे और शारदा उनसे बारह साल छोटी थी.. लेकिन गनीमत यह थी कि साहब तैंतीस के लगते नहीं थे और शारदा का भरा हुआ शरीर उसे किसी भी कीमत पर पच्चीस से नीचे दिखाने को तैयार नहीं था। साहब को भी अब जिंदगी की सच्चाई का पता चलने लगा था। भाई वाई सब अपने -अपने काम धंधे जमा कर अपना अलग आशियाना बसा चुके थे। घर में मां और वे बस दोनों ही रह गए थे। मां की क्षमताएं अब धीरे-धीरे चूक रही रही थी तो उनका मन बना कि चलो अब शादी की जानी चाहिए और वे शारदा को देखने पहुंच गए।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर । शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे। बाबूजी की उन्होंने बस दो बातें मान ली थी कि .. एक... इतवार को मुहूर्त नहीं है, अतः आप गुरुवार को आएं...और दूसरी ... हमारी अम्मा जी चाहती हैं कि वरमाला के साथ फेरे जरूर हों और यह दोनों बातें साहब ने मान ली थी । बाकी तो बाबूजी, अम्मा जी और शारदा भी किसी प्रकार के ढोल ढप्पर और बड़े तामझाम के पक्ष में नहीं थे। शारदा जब आई तो उसने देखा कि उसका खूब सारी जगह में खूब सारे दरख़्तों के बीच तीन कमरों का अस्त-व्यस्त मकान है। उसके सभी कमरे लाइब्रेरीनुमा हो गए हैं। अम्मा जी के कमरे में भी किताबें हैं। साहब का कमरा तो है ही किताबों का समंदर। बाहर बरामदे में भी यत्र-तत्र पुराने अखबारात, तरह-तरह के रसाले, चिट्ठियां, पत्रिकाएं भरी पड़ी हैं। पीछे खूब बड़ा सा गुसलखाना है लेकिन लकड़ी का एक पुराना रैक वहां भी है और उस पर भी नए-पुराने अखबार, पत्र -पत्रिकाएं पड़ी हैं। दो बड़े कमरों के बीच रसोई है तथा दोनों कमरों व रसोई से बाहर निकलो तो बरामदे में एक बड़ा दरवाजा आने-जाने के लिए है। यानी बरामदे के दरवाजे को बंद कर दो तो फिर कमरा और रसोई को बंद करने की कोई जरूरत नहीं रहती । शारदा को करीब एक सप्ताह लगा... कि उसने घर को एक करीना दिया। अब सब कुछ यहां व्यवस्थित था। शारदा को शुरू में बहुत ताज्जुब होता कि यहां आवाजें बहुत कम सुनाई देती हैं। साहब और अम्मा जी बाहर पेड़ों के नीचे घंटों बैठे रहते लेकिन बिल्कुल चुपचाप .... कभी कुछ उनमें बातचीत भी होती तो बिल्कुल धीरे-धीरे फुसफुसाते हुए। कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब कुछ लिख रहे हैं या पढ़ रहे हैं और अम्मा जी चुपचाप बैठी हैं और उन्हें देखती रहती हैं या कि कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। एक निश्चित समय पर शारदा चाय बना लाती। तीनों चुपचाप बैठकर चाय पीते। अब तो शारदा साहब के देखने भर से समझ जाती हैं कि उन्हें क्या चाहिए या की चाय कैसी बनी है। साहब की पसंदगी-नापसंदगी सब पता है शारदा को। यहां तक कि साहब के साथ बिस्तर पर भी... हालांकि शुरू-शुरू में उसकी सांसें खूब तेज हो जाती थी। अंतरंग क्षणों में और चरम पर पहुंचकर वह खूब जोर से चीखना चाहती.... फिर एक बार साहब ने उन्हें फुसफुसाते हुए ..कहा था कि सांसों को व्यवस्थित रखने से समय बढ़ता है और आंखें बंद कर इस आनंद को पी जाने से चरम सुख कई गुना हो जाता है। सुनकर वह चौक गई थी और बीच रास्ते से ही वापस लौट आई थी। अब तो खैर बच्चे हो गए हैं और बच्चे भी चुपचाप ही हुए शारदा को .... निक्की के समय तो उसे समझ ही नहीं आया काफी समय कि यह सब कैसे होगा.... डॉक्टर को ताज्जुब हो रहा था कि यह कैसे चुपचाप आंखें बंद किए लेटी है। ऐसे समय में बहुत सी औरतें तो पूरा बखेड़ा खड़ा कर देती हैं। आसमान सिर पर उठा लेती हैं। हालांकि डिलीवरी घर पर ही हुई दोनों ... लेडी डॉक्टर घर पर ही आ गई थी। असल में शारदा को टेक्निक थोड़ी लेट समझ आई। डॉक्टर बार-बार कह रही थी कि जोर लगाओ... को-ऑपरेट योरसेल्फ ... लेकिन शारदा कंफ्यूज की ... जोर कहां लगाना है ... उसे नहीं पता कि को-ऑपरेट किसको करूं? सेल्फ मतलब कौन ? वो तो भला हो उस नर्स का जो डॉक्टर के साथ आई थी उसकी हेल्प करने को ... जब डॉक्टर थोड़ी देर के लिए वॉशरूम गई तो नर्स ने उसे फुसफुसाते हुए एक सूत्र बताया कि.. बीबी जी जब टॉयलेट जाते हैं तो कैसे जोर लगाते हैं.. पता है ना? तो बस! वैसे ही जोर लगाओ... और कमाल की टेक्निक उसके हाथ लगी ... अगली पांच-सात मिनट के बाद निक्की उसके पास सो रही थी। असल में फुसफुसाकर कही गई बातें शायद शारदा को जल्दी समझ में आती हैं। और फिर प्रसव पीड़ा का इजहार तो वह इसलिए भी नहीं करना चाहती थी कि उसे पता था ... साहब बाहर शहतूत के नीचे चुपचाप बैठे हैं और उन्हें बुरा लगेगा। कुक्कू के वक्त तो बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उसे डॉक्टर की बात याद थी कि को-ऑपरेट योरसेल्फ ...और कुक्कू बड़े आराम से आ गया.. डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही ... चुपचाप ... बिना आवाज ...मां बनने के बाद तो शारदा और भी कुछ आवाजों की अभ्यस्त हो गई है। वह इन आवाजों में कुछ बेआवाज तलाश रही है। वह जो चुपचाप चला आता है... वात्सल्य ... और दोनों स्तनों से बहता हुआ... वह जीवन द्रव्य कभी आवाज नहीं करता। रात को कुक्कू कुनमुनाता है तो न जाने कब चुपचाप यह जीवन- रस-स्रोत उसके छोटे-छोटे होठों के बीच पहुंच जाता है ...और साहब बिलकुल बेखबर सोते रहते हैं।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

कविता पं. कमल कांत भारद्वाज

सावन रस

सावन आया, सावन आया
देखो बादल और वर्षा लाया

डाल-डाल पर झूले डले हैं
चारों और फूल खिलें हैं

कोयल मोर पपीहा बोले
आओ सब मिल मल्हार बोलें

कान्हा से राधा बोलीं
बजाओ कान्हा तुम मुरली

इस वर्षा में सब भीगे रहें हैं
अपने मन को सब सींच रहे हैं

धरती यौवन से झूल रही है निर्जन
आँखों को आशाएं घेर रही हैं

कलियों पर आया उभार है
भँवरों पर चढ़ा मादकता का ख़ुमार है

सावन आया सावन आया
मनोरम मनभावित दृश्य है बनाया

कविता डॉ.कंचन मखीजा

मैं क्या हूँ

मैं अन्न का एक अंश हूँ-
जैसा दोगे भोजन,वैसा शरीर बन जाऊँ।
शुद्ध सात्विक अन्न मिले तो बनूँ ऊर्जा-
दूषित मिले आहार तो रोग विकृत बन जाऊँ।।
मैं विचारों की गूंज हूँ-
शब्दों के स्पंदन से मन की ध्वनि सुनाऊँ।
जीवन दिशा को तय करने वाला-
सूरज मैं बन जाऊँ।।
मैं व्यवहार की छाया हूँ-
कर्म कृति में आकर कर जाऊँ।
पीछे जो छूटा वो बंधन हूँ -
रक्त हृदय में बन जाऊँ।।
अन्न को समझों, मन को साधो,
चाल-ढाल से जीवन को मांझों।
आहार, विचार, व्यवहार में सच की-
दिव्य दृष्टि से खुद को आँको।।
अभी समय है, संभलो तुम,
भाव भक्ति के भर लो तुम।
आत्म ज्योति प्रदीप्त करो और-
जग में ओज बिखेरो तुम।।
विलय करो सब न्यून अहम् ।
योगः कर्मसु कौशलम् ।।

कविता सुमन जाजू

सैनिक भाई को पत्र

मैया, ये राखी भेज रही हूँ,
तेरे नाम का तिलक सहेज रही हूँ।
सीमा पर जो तू डटा खड़ा है,
वो मेरा गर्व, मेरा गहना बड़ा है।

तेरी बहन आज नहीं रोएगी,
तेरे साहस पर बस नाज़ ही बोलेगी।
हर साल जब तू दूर रहा,
मैंने राखी को और मजबूत कहा।

मैया, तू सिर्फ मेरा नहीं,
ये भारत माँ का वीर सपूत सही।
तेरी वर्दी में जो तेज है झलकता,
हर बहन का आशीष तुझमें दमकता।

तेरी हर गोली में विश्वास है,
तेरे कदमों में पूरा आकाश है।
जहाँ तू है, वहाँ डर की जगह नहीं,
तेरे जैसा भाई, हर बहन को कहीं नहीं।

आज मैं बाँध रही हूँ शब्दों की डोरी,
जिसमें प्रेम भी है, शक्ति की बोरी।
तू जिए सौ साल, वीरता के संग,
तेरे नाम का गाए ये भारत हर रंग।

राखी का ये धागा, तुझ तक उड़ चला,
देशभक्ति में रंगा, मेरा अभिमान चला।
सैनिक भाई, तू लौट के जल्दी आना,
तेरी बहन ने फिर गुलाब जामुन है बनाना।

कविता डॉ.कमलेश मलिक

सावन की बहार

बहें झोंके पवन के
जब बहारें झूम सी उठतीं
कहीं पीड़ा जगा देता
बरस जाता कहीं बादल
धरा का उर धड़क उठता
लहराता कहीं आंचल

दहकता है कहीं जियरा
हिलोरें हूक सी भरतीं
खुलते पंख मयूरों के
चातक रटता पिहू पिहू
छप्पर से मोती टपके
कोयल गाती कुहू कुहू

छमाछम नाचती बूंदें
सुरीली बांसुरी बजतीं
अंबर से उतरीं भू पर
नदी बनकर बहीं जातीं
समंदर को वरण करने
उलझतीं और टकरातीं

निज अस्तित्व खो देतीं
उसी में डूब सी जातीं
कहीं बहती है पुरवाई
कहीं बरपा कहर भारी
कहीं तो चांदनी बिखरे
कहीं घिरती है अंधियारी
प्रकृति का यही नर्तन
लताएं झूल सी उठतीं

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वशिष्ठ का आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि साहित्य कभी मर नहीं सकता और बदलते परिवेश में सोशल मीडिया और टीवी ने पुस्तकों से ध्यान हटाया है, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आज भी साहित्य खूब पढ़ा जा रहा है और पाठक प्रतिक्रिया भी खूब दे रहे हैं। उनकी नजर में लेखक जन्मजात होते हैं, उन्हें जबरन इजाद नहीं किया जा सकता।

साक्षात्कार ओ.पी. पाल

यथार्थ को कथ्य में समाहित करना आवश्यक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा के लेखकों ने विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार डॉ. सुरेश वशिष्ठ अपनी लेखनी के जरिए साहित्यिक और सांस्कृतिक साधना करने में जुटे हैं। उन्होंने एक रंगकर्मी, नाटककार, कथाकार और उन्यासकार के अलावा रंगकर्मी के रूप में सामाजिक सरोकारों के मुद्दों को उजागर करते हुए संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और अतीत से रूबरू कराने का प्रयास किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें कोई भी लेखक और कलाकार यथार्थ की हकीकत को कथ्य में समाहित करके अपनी संस्कृति से विमुख होती युवा पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक डा. सुरेश वशिष्ठ का जन्म 14 मार्च 1956 को दिल्ली के बरवाला गांव में पं. रघुवीर सिंह शर्मा व इन्द्रावती के घर में हुआ। वशिष्ठ के पूर्वज ठाकुरद्वारे की पूजा-अर्चना में पुजारी रहे और वाचन भी करते थे। उनके पिताजी दिल्ली के शिक्षा विभाग में शिक्षक, मुख्य शिक्षक और सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वहीं धार्मिक पुस्तकों का लेखन भी करते रहे। परिवार के ऐसे परिवेश में उनका प्रेरित होना स्वाभाविक था, जिसके चलते उन्हें लिखने की प्रेरणा मिलती रही है। बकौल सुरेश वशिष्ठ, उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव बरवाला में ही हुई। जबकि उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से पूरी की। बाद में उन्होंने जामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली से 'हिन्दी नाटक और रंगमंचः बर्टोल्ट ब्रेख्त का प्रभाव' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। उन्होंने दिल्ली सरकार के अधीनस्थ विद्यालयों में प्रवक्ता (हिन्दी) के पद पर अनेक वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद साल 2006 में द्वारा उनकी प्रधानाचार्य पर नियुक्ति हुई और इसी पद से वे 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुए। साहित्यिक अभिरुचि के चलते उन्होंने शुरू में व्रत कथाओं को लिखना शुरु किया। जब वे नौवीं कक्षा में थे, तो हरियाणा के सोनीपत के एक गाँव में उनके मामा उनके पिताजी को हरियाणा के किसी गाँव में हुई घटना सुना रहे थे, तो उन्होंने भी उसे सुना और अगले दिन उसे अपनी कलम से लिख डाला। इस पर उनके एक सहपाठी ने शिक्षक से उसके नोवल लिखने की शिकायत की। इस पर शिक्षक ने आँखें तरेरी और जो लिखा था, उसे दिखाने को कहा। उनके मन में था कि उसे डाँट पड़ेगी, लेकिन शिक्षक ने जब उनकी लिखी कहानी को पढ़ा और पूछा कि यह सब लिखने का विचार कैसे आया, बताने पर मुझे शाबाशी मिली और वह उनकी पहली कहानी थी। लेखन और साहित्यिक सफर में परेशानी को लेकर डा. वशिष्ठ का कहना है कि लिखना दिलचस्प भी है और दुखदाई भी। लेकिन यथार्थ में जो हो रहा है, उसे लेखन का विषय बनाया जाना चाहिए। उसके बाद उन्हें कथा-कहानी और शेरो-शायरी और फिर अभिनय का शौक चर्राया। कक्षा नौ में स्कूल के एक उत्सव में 'श्रवण कुमार' नामक नाटक में पहली बार अभिनय किया। फिर उन्होंने कॉलेज में अभिनय के साथ नाट्य लेखन की शुरुआत की और उनका पहला और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' इतना प्रसिद्ध हुआ कि उन दिनों उसके पूरे भारत में पाँच हजार से ज्यादा शो हुए। हरियाणवी उनकी मात्रभाषा है लेकिन वह अपना लेखन हिन्दी में ही करते हैं। उनकी कहानियां, लघुकथाएं, हिंदी के लोकनाट्य और कला रंग और लोक (आलोचना) जैसे आलेख और साक्षात्कार देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डा. सुरेश वशिष्ठ के साहित्य पर पीएचडी और एमफिल की उपाधि के लिए शोधकार्य भी हुए। उनके लेखन के फोकस में यथार्थ को दिखाना रहा है, क्योंकि रचनाकार की नजर यथार्थ पर जरूर रहनी चाहिए। डा. सुरेश वशिष्ठ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' में पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणा में, प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत नाट्य प्रमुख, प्रांत साहित्य प्रमुख जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। वहीं वे तीन वर्ष तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) में सदस्य रहे। इसके अलावा कला, रंग-कर्म और लेखन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वरिष्ठ ने करीब तीन दर्जन नाटक, करीब पाँच सौ कहानियाँ, दो दर्जन बाल पुस्तकें और पाँच उपन्यास लिखे हैं। उनके कहानी संग्रहों में प्रमुख रूप से खुरदरी जमीन, चली पिया के देश, सिपाही की रस्म, घेरती दीवारें, बहती धारा, लोकताल, श्रंगारण, नीर बहे, ताल मधुरम, झीनी-झीनी रोशनी (भाग-एक), छलकते कलश (भाग-दो), भुला नहीं सका हूँ कहानियाँ, रक्तचरित्र कहानियाँ, अधूरी दास्तान कहानियाँ, सफर कभी रुका नहीं कहानियाँ, निर्झर नीर (खंड-पांच) कहानियां, आदि शामिल हैं।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

डा. सुरेश वशिष्ठ को हिन्दी साहित्यकार गौरव सम्मान, साहित्यकार सम्मान, साहित्य आराधना सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, सारस्वत सम्मान, साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन,प्रस्तुत आलेख सम्मान, सामाजिक गौरव पुरूस्कार, विमल शुभ स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, शब्द शक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व-शान्ति सम्मान, डा.राधाकृष्णन सहस्राब्दि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, शिक्षक गौरव सम्मान, गौरक्षक एवं कला सम्मान आदि पुरस्कार एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सुरेश वशिष्ठ
जन्मतिथि : 14 मार्च 1956
जन्म स्थान : बरवाला गाँव, दिल्ली
वर्तमान निवास : गुरुग्राम, हरियाणा
शिक्षा : एम.ए (हिन्दी) बी.एड. पी-एच.डी.
संप्रति : साहित्यकार, रंगकर्मी, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार सेवानिवृत प्राचार्य

जीवन तक दर्शन समझाती 'जीवन के अंधेरे उजाले'

पुस्तक :जीवन के अंधेरे उजाले
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झंडई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा शशि कांत चौहान

डॉ. हरीशचंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'जीवन के अँधेरे उजाले' इंसान के जीवन की विविधताओं को दर्शाता है। जैसे जीवन में खुशियां और गम आते हैं। जैसा कि स्वयं कवि स्वयं लिखते है कि हमारे जीवन में कई भावनाएं रहती है, जिनसे हमारा जीवन प्रभावित होता है। यही जीवन का दर्शन है। इसी दर्शन से पाठक को रूबरू करवाती है पुस्तक 'जीवन के अँधेरे उजाले'। संग्रह में कुछ 82 कविताएं संकलित की गई है। इन कविताओं में इंसानी रिश्तों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक परिदृश्य देश हित, देशभक्ति और मातृशक्ति के प्रति चिंतन के साथ-साथ त्योहारों की सुंदरता का वर्णन भी देखने को मिलता है। 'कुछ अंधेरे कुछ उजाले' में कवि ने यह समझाने का प्रयास किया है कि इंसान की अपनी कभी नकारात्मक सोच के कारण कैसे जिंदगी प्रभावित होती है और यदि व्यक्ति धैर्य रखे तो समय बदलेगा और एक नई जिंदगी की शुरुआत होगी। संग्रह की पहली कविता बेटे की पुकार के माध्यम से एक परिवार के ऐसे बेटे का दर्द उभारा है जो बहन के प्यार के लिए तरसता है। ऐसे में इस कविता से कवि ने संदेश दिया है कि हमें आपकी बेटियों की रक्षा करनी चाहिए और भ्रूणहत्याएँ जैसे कलंक को समाज से मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। 'दिखती है कभी-कभी महिला शक्ति' में कवि ने समझाया है कि किस तरह से दमन के बावजूद महिलाएं अपने हौसले के दम पर ऊंचाइयों को छूती हैं और अपनी प्रतिभा साबित करती हैं। तब समाज का विस्मित कर देती हैं। 'प्रकृति की छाँव' के माध्यम से ५री सूरज की गर्मी और पक्षियों की चहचहाहट का जिक्र करते हुए कवि पे यह समझाने का प्रयास किय है कि इंसान के जीवन में कितनी भी कठिनाइयों आएं, लेकिन उन कठिनाइयोंत को अंत होना भी निश्चित है। जल ही शक्ति है कविता में डॉ. झंडई ने पानी का महत्व बताने का प्रयास किया है कि यह जीवन के लिए कितना आवश्यक है कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। इस रचना के जरिए कवि ने जल संरक्षण का संदेश दिया है। 'आओ हाथ बढ़ाएं' के माध्यम से कवि ने सभी का आह्वान किया है कि आज की बदलती दुनिया में हमें भी समय के साथ बदलना है। आइए हम दूसरों का मार्गदर्शन करें और दूसरों की तरफ हाथ बढ़ाएं। हरीशचंद्र झंडई के प्रस्तुत संग्रह की भाषा सहल, सरल एवं सीधी-सादी है। संग्रह की रचनाएं अपना संदेश पाठकों तक पहुंचाने में सफल नजर आती हैं। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

रक्षाबंधन पर अनोखा अभियानः भाई लेंगे महिला विरोधी गाली बंद करने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस और सामाजिक सुधारक सुनील जागलान, जो अपनी 'गाली बंद घर अभियान' के लिए विख्यात हैं, ने इस बार रक्षाबंधन को एक सार्थक संदेश के साथ मनाने के लिए एक विशेष पहल शुरू की है। इस अभियान के तहत सुनील जागलान ने देश भर की लड़कियों को पहले फेज में 3,000 से अधिक पोस्टकार्ड भेजे हैं, जिसकी पहल एमडीयू के कन्या छात्रावास परिसर से हुई। पोस्टकार्ड में बहनों से आग्रह किया गया है कि वे इस रक्षाबंधन पर अपने भाइयों से एक अनोखा वचन लें- दैनिक जीवन में मां बहन बेटी की गाली-गलौज और अपमानजनक भाषा का उपयोग न करने का संकल्प लें।

एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने सुनील जागलान की इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव का सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल रक्षाबंधन के पर्व को एक नया अर्थ दे रहा है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की एक मजबूत नींव भी रख रहा है। आइए, इस रक्षाबंधन पर हम सभी सम्मानजनक भाषा के लिए संकल्प लें और एक बेहतर समाज की ओर कदम बढ़ाएं।

चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सपना गर्ग ने कहा कि यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस सुनील जागलान छात्राओं को इस पहल

के जरिए उनके सामाजिक सरोकारों से जोड़ रहे हैं, जो काबिले तारीफ है। इस अवसर पर वार्डन राजबाला सांगवान समेत छात्रावास की छात्राएं इस पहल में शामिल हुई। सुनील जागलान ने 'रक्षाबंधन की डोर, गाली बंधन की ओर' अभियान बारे बताते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्यार का उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक-दूसरे की रक्षा का वचन भी है। इस बार हम इसमें एक नया आयाम जोड़ रहे हैं-भाषा और सम्मान की रक्षा। उन्होंने बहनों से अपील की है कि वे राखी के पवित्र धागे को सम्मानजनक भाषा का प्रतीक बनाएं और अपने भाइयों को इस संकल्प के लिए प्रेरित करें।

जागलान ने बताया कि उनकी 'गाली बंद घर अभियान' के तहत 11 वर्षों की गहन सर्वेक्षण के नतीजे हाल ही में जारी किए गए हैं। इस सर्वेक्षण में देशभर के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 70 हजार से अधिक लोगों को शामिल किया गया, जिसमें छात्र, अभिभावक, शिक्षक, डॉक्टर, पुलिसकर्मी, वकील और अन्य पेशेवर शामिल थे। सर्वे के अनुसार, भारत में लगभग 55 प्रतिशत पुरुष और महिलाएं अपनी रोजमर्रा की बातचीत में अपशब्दों का उपयोग करते हैं। दिल्ली में यह आंकड़ा सबसे अधिक 80 प्रतिशत है, इसके बाद पंजाब, जबकि कश्मीर में सबसे कम 15 प्रतिशत दर्ज किया गया। सर्वे में उत्तर प्रदेश में 11,300, मध्य प्रदेश में 8,400, राजस्थान में 6,100, पंजाब में 4,200, महाराष्ट्र में 3,800 और दिल्ली, गुजरात, बिहार, कश्मीर, उत्तराखंड, गोवा और पश्चिम बंगाल में अन्य मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि अपशब्दों का उपयोग एक सामाजिक बुराई है। जैसे भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन लेते हैं, वैसे ही उन्हें एक दयालु और सम्मानजनक समाज बनाने का संकल्प लेना चाहिए। यह अभियान हर घर से भाषा और व्यवहार में संवेदनशीलता लाने की दिशा में एक कदम है।

खबर संक्षेप

रोहतक। गोकर्ण तीर्थ में विहिप की हरियाणा की तीन दिवसीय बैठक में मौजूद विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा अध्यक्ष पवन, महामंडलेश्वर स्वामी कपिल महाराज व अन्य परिषद के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

विहिप की हरियाणा की हुई तीन दिवसीय बैठक

रोहतक। गोकर्ण जुना अखाड़ा के उपाचार्य एवं गोकर्ण पीठाधीश्वर स्वामी कपिलपुरी आज सनातन धर्म और हिंदुत्व की बुलंद आवाज बनकर उभरे हैं। स्वामी न केवल आध्यात्मिक चेतना का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि विश्व हिंदू परिषद और स्वयंसेवक संघ के साथ मिलकर हिंदुओं को जागरूक करने और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।
ये कहना है विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा अध्यक्ष पवन का।
गोकर्ण तीर्थ रोहतक में गोकर्ण पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कपिल महाराज उपाचार्य, पंचदशनाम अखाड़ा जूना अखाड़ा के आशीर्वाद से विहिप की हरियाणा की तीन दिवसीय बैठक का आयोजन अध्यक्ष पवन के मार्गदर्शन में हुआ। स्वामी कपिल पूरी के नेतृत्व में गोकर्ण तीर्थ एक बार फिर आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आज की चुनौतियों का सामना करने के लिए संगठन को निचले स्तर तक सुदृढ़ करना होगा।

अभियान का उद्देश्य बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग कम करना

पौधरोपण अभियान से जुड़े एक-एक नागरिक : डीसी

- पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण अभियान
- गांव खिड़वाली में डीसी ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते मुख्य अतिथि उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह। फोटो: हरिभूमि

रोहतक। गांव में पौधरोपण करते मुख्य अतिथि उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह। फोटो: हरिभूमि

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने जिला के नागरिकों से एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने का आह्वान किया है। युवा शक्ति मंच खिड़वाली द्वारा गांव में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है।

धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पेड़ वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं और स्वच्छ हवा प्रदान करते हैं। पेड़ जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में भी सहायक हैं। पेड़ मिट्टी के क्षरण को रोकते हैं और उसकी गुणवत्ता में सुधार करते हैं। इनसे जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है और विभिन्न प्रजातियों को आवास मिलता है। उन्होंने कहा पेड़ों से न केवल पर्यावरण को लाभ होता है, बल्कि ये मानव स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हैं।

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर की थी। इस अभियान की अपील करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी सभी नागरिकों से इस पहल के माध्यम से रहने योग्य एक बेहतर पृथ्वी के निर्माण और सतत विकास में योगदान देने का अनुरोध किया है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देश में वृक्षों की संख्या बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण करना और लोगों को पौधरोपण के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना था।

धर्मेंद्र सिंह ने युवा शक्ति मंच की सराहना करते हुए कहा कि मंच से जुड़े हुए लोग पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। आज के कार्यक्रम में गांव की मुख्य सडक़ के साथ लगभग 200 पौधे लगाए गए। मंच के पदाधिकारी ने इन सभी पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली है। उपायुक्त ने गांव की गोशाला का भी निरीक्षण किया। युवा शक्ति मंच खिड़वाली तथा गोशाला खिड़वाली के पदाधिकारी ने उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह को सम्मान स्वरूप स्मृतिचिन्ह भेंट किया। मौके पर मंच के प्रधान रामकरण उर्फ घोबा, अभिमन्यु जेई, संदीप सिंह, मनजीत सिंह सहित गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

जेबीटी शिक्षकों का तबादला जोन पॉलिसी के तहत करे सरकार: रामराज कादयान

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में विजेंद्र हुड्डा को सम्मानित करते राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा की राज्य कार्यकारिणी बैठक देवेन्द्र दहिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिला रोहतक की तरफ से कर्मचारी नेताओं विजय हुड्डा, ललित कुमार, विजेंद्र बाहमणीया, रामचंद्र मलिक, हरिओम व आशीष कुमार ने डॉ. यशपाल पिलानिया, राजेश देशवाल, राज्य चेयरमैन देवेंद्र दहिया, प्रदीप कुमार, डॉ. सुनीता हुड्डा, मनोज हुड्डा , संजय चोपड़ा, जापान सिंह, विजेंद्र हुड्डा को राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा में विशेष योगदान व सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। जिला प्रधान रामराज कादयान व राज्य उप प्रधान ललित कुमार ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि उल्लास कार्यक्रम का विरोध किया जाएगा। जेबीटी शिक्षकों की स्थानांतरण जल्द करवाया जाए और जोन पॉलिसी के तहत ही करवाया जाए नहीं तो संगठन 15 अगस्त के बाद आंदोलन करेगा। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा के शिक्षकों की मेंबरशिप शीघ्र करवाई जाए।

बैठक में जिला अंबाला से प्रकाश, भिवानी से भूपेन्द्र चाहर, हिसार से विवेक शर्मा, कुरूक्षेत्र से राजेन्द्र टंडन, जिला संरक्षक सुधीर ढांढा, सोनीपत से देवेंद्र अहलावत, फतेहाबाद से योगेन्द्र वर्मा, पवन, सिरसा से विजय शर्मा, दादरी से शमशेर सिंह, झज्जर से सतपाल हुड्डा, करनाल से सुरेन्द्र कुमार, यमुनानगर से सुरेन्द्र कम्बोज, गुरूग्राम से बलविंदर धारीवाल ने संगठन को मजबूत करने व अपने मुद्दों पर बात रखी।

प्रदेश की जनता का भाजपा व कांग्रेस से हुआ मोह भंग : अरविंद गोस्वामी

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक। रुपया चौक स्थित पार्टी कार्यालय में इनेलो युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी का स्वागत करते पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

इनेलो की युवा ईकाई आईएसओ के राष्ट्रीय प्रभारी एवं रानियां से विधायक अर्जुन चौटाला का 32वां जन्मदिवस कार्यकर्ताओं द्वारा धूमधाम के साथ मनाया गया। जिले में कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण, केक काटकर व लावारिश पीड़ित पशुओं की सेवा की। सर्वप्रथम रूपया चौक स्थित इनेलो पार्टी कार्यालय में अर्जुन चौटाला के जन्मदिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें इनेलो युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर केट काटा। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की जनता कांग्रेस व भाजपा से परेशान हो चुकी है और प्रदेश में अगली सरकार इनेलो की बनेगी। इस अवसर पर युवा विंग के जिला अध्यक्ष बल्लू खेडी साध ने कहा कि अर्जुन चौटाला जिस तरह से युवाओं की आवाज विधानसभा में उठाते हैं, उससे युवाओं का इनेलो के प्रति विश्वास बढ़ा है। आज का युवा सरकार से पूरी तरह से हताश व निराश है। पढ़े लिखे युवा दर दर की ठोकरे खाने पर मजबूर है, लेकिन सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को रोहतक में होने वाले ताऊ देवीलाल की जयंती के अवसर पर समारोह में युवाओं की भागेदारी ऐतिहासिक होगी और यह समारोह प्रदेश की राजनीति की दशा बदलने में अहम होगा। इस अवसर पर समारोह को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इस अवसर पर इनेलो जिला अध्यक्ष नफे सिंह लाहली, कृष्ण कौशिक एडवोकेट, विनोद अहलावत एडवोकेट, सतीश नांदल रिठाल, वेद भराण, जयसिंह शिमली, रामभगत लाकडा, पुनित मायना, वीरेन्द्र नांदल, सोनू कसरैटी, डीके हुड्डा, सतबीर सहरावत, गौरव, शमशेर, दीपक, राहुल, मोनू, अमन, रोहित, सतपाल, तुषार प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

- आईएसओ के राष्ट्रीय प्रभारी अर्जुन चौटाला का जन्मदिन मनाया

जनवादी लेखक संघ का हुआ जिला सम्मेलन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते (इनसेट में) प्रो. बजरंग बिहारी तिवारी व मौजूद जनवादी लेखक संघ के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

जनवादी लेखक संघ का जिला सम्मेलन स्कॉलर्स रोजरी प्रिपेरेटरी स्कूल में आयोजित किया गया। सम्मेलन में लगभग 60 लोगों ने भागीदारी की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर जनवादी लेखक संघ के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव प्रोफेसर बजरंग बिहारी तिवारी ने अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के दलित लेखक जय प्रकाश ने समय की आदमखोर धुन नामक अपनी रचना में भारत देश की खोखली होती जा रही, समाज व्यवस्था की आहट पाठकों के लिए प्रस्तुत की। यह रचना 2014 के बाद के भारत की तस्वीर का वर्णन करने का समूचा प्रयास है।

बजरंग बिहारी ने कहा कि आज समय बड़ा ही विकट आया हुआ है। अच्छे साहित्य और साहित्यकारों को समाज से दूर करने के भरसक प्रयास किए जा रहे है। लोगों को सड़कों पर आने नहीं दिया जा रहा हैं। अब का समय ऐसा है जिसमें संवाद की सख्त जरूरत है। जब समाज का अध्यापक, बुद्धिजीवी और डॉक्टर डरने लगता है तो उस समाज में न्याय का साम्राज्य ध्वस्त होने लगता है। आज निश्चित कुछ भी नहीं है, राज्य का स्वरूप लगातार बदल रहा है। उन्होंने महाकवि तुलसीदास के हवाले से कहा कि देव सत्ता को या किसी भी सत्ता को बने रहने के लिए चार तत्त्व चाहिए होते है, वह डराती है, भ्रम फैलाती है, नफरत का रास्ता अख्तियार करती है। लोग उदासीन होने लगते है। इस प्रकार सत्ता अपना वर्चस्व बनाने में कामयाब होती है।

यह है नई कार्यकारिणी के सदस्य

जिला की नई कार्यकारिणी का प्रस्ताव प्रमोद गौरी ने रखा जिसका सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया। महावीर शर्मा, डॉ. आर एस दहिया (संरक्षक मंडल), प्रमोद गौरी, मनीषा, मंजीत राठी, नरेश प्रेरणा, सुरेखा, राजेश दलाल, अंकित, शिवम, राजेन्द्र हुड्डा, अविनाश सैनी, अनुराधा, दुष्यंत, सुरेंद्र, सोनिया नारंग, रामधारी खटखड़, संगीता, कृष्ण नाटक, सुधीर ढांगी, प्रीति और शबनम राठी का चुनाव किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन मनीषा ने किया।

महम। रीबन काटकर स्नानगृहों का उद्घाटन करते समाजसेवी सरदार त्रिलोचन सिंह व उनके साथ मौजूद पंजाबी समाज के लोग।

पंजाबी धर्मशाला में पांच लाख रुपये की लागत से बनाए 8 स्नान गृह

हरिभूमि न्यूज ⏭महम

कस्बा महम की पंजाबी धर्मशाला में 5 लाख रुपये की लागत से 8 स्नानगृह बनाए गए हैं। इनमें चार बाथरूम पुरुषों और चार महिलाओं के लिए बनाए गए हैं। पंजाबी धर्मशाला समिति के सहसचिव इंद्र सिंह बजाज ने बताया कि रविवार को धर्मशाला में हवन किया गया। पंजाबी समाज के मौजिज व्यक्तियों ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन में आहुति डाली। समाजसेवी सरदार त्रिलोचन सिंह ने रिबन काटकर स्नानगृहों का उद्घाटन किया। समिति के संस्थापक डॉक्टर ओपी चिटकारा ने कहा कि शहर में पंजाबी समाज द्वारा बनाई गई यह धर्मशाला पंजाबी समाज की एकता का प्रतीक है। समाज ने मिल जुलकर एक बहुत ही सुंदर संस्थान का निर्माण करवाया है। इस भवन के बन जाने से शहर के लोगों को विभिन्न प्रकार के धार्मिक, सामाजिक और वैवाहिक आयोजन करने के लिए एक अच्छा माहौल मिला है। धर्मशाला में स्नानगृहों की कमी थी। अब 8 स्नानगृह बन जाने से यात्रियों, समारोह के आयोजकों और यहां काम करने वाले स्टाफ सदस्यों को स्नान करने की सुविधा मिलेगी। इस मौके पर पंजाबी धर्मशाला समिति के प्रधान दीवान चंद चुचरा, सोमनाथ गिरोत्रा, कालू रल्हन, जोगिंद्र रल्हन, संजय सुखीजा, भीष्म दुआ, इंद्र बजाज, जोगिंद्र खुराना, सुरेंद्र चिटकारा, मास्टर मुनीष, तिलक चोपड़ा व अशोक नारंग समेत समिति के कई सदस्य मौजूद थे।

दयानंद मठ में मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन

महर्षि दयानन्द सरस्वती के जीवन से लें प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा, दयानन्द मठ में प्रतिमास के प्रथम सप्ताह में होने वाले मासिक वैदिक सत्संग का शुभारम्भ प्रातः 9 बजे यज्ञ द्वारा किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सन्तराम रहे। इसके पश्चात सत्यवती आर्या, ग्राम भालौठ (रोहतक) के महाशय रामचन्द्र के सुपुत्र अश्विनी आर्य ने ओजस्वी आवाज में अपनी कविता सुनाई।

मंच का कुशल संचालन करते हुए वेदप्रचार मण्डल प्रधान सुभाष सांगवान ने कहा कि हम सबको महर्षि दयानन्द सरस्वती के जीवन तथा कार्यों के बारे में अवश्य विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महर्षि ने अनेक कष्टों को सहन करके हमें यह वैदिक धर्म दिया है, जिससे हम अपने जीवन को उन्नत तथा श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने वैदिक सत्संग में अपने बच्चों तथा इष्ट-मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया।

आज के मुख्यवक्ता के रूप में वैदिक विद्वान ओमप्रकाश शास्त्री (पानीपत) का मासिक वैदिक सत्संग में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। ओमप्रकाश शास्त्री ने बहुत ही सुन्दर एवं सरल शब्दों में प्रवचन के माध्यम से मनुष्य के उत्तम जीवन के प्रमुख उद्देश्य पर विचार रखे। उन्होंने सर्व प्रथम वेदमन्त्र का उच्चारण किया तथा बताया कि हम सबका सौभाग्य है कि हम इस आर्यावर्त देश में जन्म लिए हैं और जन्म के बाद महर्षि दयानन्द सरस्वती का आशीर्वाद भी हम लोगों को प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अनेक महापुरुषों में महर्षि दयानन्द सरस्वती सर्वोपरि हैं। उनके अन्दर अनेक गुण थे। आप बहुत सौभाग्यशाली हैं जो कि वैदिक सत्संग में बैठे हैं, जिसमें सत्यासत्य का निर्णय करके परमपिता परमात्मा का ध्यान करना बताया जाता है। उन्होंने योगिराज श्रीकृष्ण महाराज के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने बताया कि पौराणिक विद्वानों ने महाराज श्रीकृष्ण को अनावश्यक बदनाम कर रखा है, जबकि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने महाभारत में योगिराज श्रीकृष्ण के बारे में बहुत ही सुन्दर बात कही है। उन्होंने बताया कि जन्म से मृत्यु-पर्यन्त श्रीकृष्ण ने कोई गलत काम किया हो, ऐसा कहीं नहीं मिलता। उनकी तुलना आप्तपुरुषों से की गई है। शास्त्री ने बताया कि मनुष्य अपने स्वभाव व प्रवृत्ति से अपना निर्माण करता है। उसकी जैसी प्रवृत्ति होगी उसका परिणाम उसी प्रकार से होगा। सभी आर्यजनों को स्वाध्याय एवं सत्संग से जोड़ने का भी प्रयास किया और कहा कि हम आर्यों को पुरुषार्थ एवं शुभकर्म करते हुए तथा अच्छे लोगों के संसर्ग में आकर अपने जीवन को बदलना चाहिए। हमें अच्छे कर्म करने चाहिएं जिससे हमारा उत्तरोत्तर उन्नति हो, तभी हम दूसरों को भी आर्य बना सकेंगे। मंच का कुशल संचालन सुभाष सांगवान ने किया। मंच पर उपस्थित रमेश आर्य मुख्याधिष्ठाता, आचार्य सन्तराम, हवासिंह राठी, रामकिशन बाल्याण रिटायर्ड तहसीलदार, बहन दयावती आर्या, मा. सतीश कुण्डू सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में सुभाष सांगवान ने मंच पर उपस्थित सभी विद्वान, साधु-सन्त तथा सभी सत्संग-प्रेमियों का सत्संग में पधारने पर हार्दिक धन्यवाद किया।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
RMO 4
ICU STAFF 6
NURSING STAFF 4
PRO/MARKETING EXECUTIVE 2
COMPUTER OPERATOR 1
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

hartron ISO 9001 : 2015
Enhance your talent...
HARTRON
SKILL CENTRE
For
Computer Education & Training Centre
Required:
Computer Software Teacher
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
M.7206002575
8929411222

खबर संक्षेप

महम। पीटीएम में भाग लेते आर्य स्कूल मदीना के विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक।

आर्य स्कूल मदीना में हुई पीटीएम

महम। आर्य स्कूल मदीना में शिक्षक अभिभावक मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान अभिभावकों ने बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट देखी। बच्चों की प्रगति रिपोर्ट को लेकर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच चर्चा हुई। इस दौरान शैक्षिक और व्यावहारिक विकास पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर बच्चों को इकाई परीक्षा दो का परीक्षा परिणाम वितरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और अनुशासन का भी विशेष महत्व है। सभा में उपस्थित सभी अभिभावकों और शिक्षकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए काम करने का संकल्प लिया।

निरंकारी महिला संत समागम सम्पन्न

कलानौर। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के पावन आशीर्वाद से रविवार को टिकाणा सति भाई साईं दास महाराज, कलानौर में भिवानी जोन का निरंकारी महिला संत समागम सफलतापूर्वक एवं भावपूर्ण रूप से सम्पन्न हुआ। इसमें भिवानी जोन की सभी शाखाओं – रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी, हिसार आदि से हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समागम की अध्यक्षता परम बहन सविता सोनी (दिल्ली) ने की।
महाराज राम सुख दास ने कहा कि जब इंसान ब्रह्मज्ञान से जुड़ता है, तो वह न केवल परिवार, बल्कि संपूर्ण समाज को प्रेम, सहनशीलता और एकता का पाठ पढ़ाता है।

श्री दुर्गा भवन मंदिर से पैदल ध्वजा यात्रा 9 को

रोहतक। शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से 9 अगस्त को सुबह 8:30 बजे पैदल ध्वजा यात्रा श्री बालाजी धाम डोभ के लिए रवाना होगी। यह जानकारी श्री बालाजी धाम गांव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी रोहतक एवं भक्तजनों द्वारा दुर्गा भवन मंदिर से सुबह 8:30 बजे यात्रा शुरू होगी।

राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ 2025 : फाइनल मुकाबले आज

खिलाड़ियों ने फुटबॉल, नेटबॉल और बॉक्सिंग में दिखाया दमखम

- तीनों खेल स्पर्धाओं में महिला और पुरुष वर्ग के बीच हुए कड़े मुकाबले, आज के मुकाबलों पर रहेगी नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

खेल विभाग, हरियाणा के आदेशानुसार राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ 2025 का आयोजन 2 अगस्त से 4 अगस्त तक किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन 3 अगस्त को फुटबॉल, नेटबॉल व बॉक्सिंग (पुरुष व महिला वर्ग) के मुकाबले आयोजित किए गए, जिनमें प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खेल महाकुंभ के सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले 4 अगस्त को आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। रोहतक में आयोजित यह प्रतियोगिता प्रदेश के खेल स्तर को ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। आज भी कड़े मुकाबले होंगे।

ये रहे रिजल्ट, खिलाड़ियों ने खूब दांव पेंच आजमाए

फुटबॉल प्रतियोगिता के परिणाम:
पुरुष वर्ग:
जींद ने अंबाला को 2-0 से हराया
फतेहाबाद ने रोहतक को 3-0 से हराया
पानीपत ने राई को 3-1 से हराया
गुरुग्राम ने सिरसा को 5-4 से हराया
कुरुक्षेत्र ने मेवात को 2-0 से हराया
झज्जर ने रेवाड़ी को 2-0 से हराया
भिवानी ने कैथल को 2-0 से हराया
महिला वर्ग:
भिवानी ने कैथल को 4-0 से हराया
चरखी दादरी ने झज्जर को 2-0 से हराया
रेवाड़ी ने पलवल को 3-0 से हराया
सोनीपत ने सिरसा को 3-0 से हराया
रोहतक ने अंबाला को 2-0 से हराया
हिसार ने चरखी दादरी को 3-0 से हराया

नेटबॉल प्रतियोगिता के परिणाम:
पुरुष वर्ग:
भिवानी ने कैथल को हराया
पानीपत ने फतेहाबाद को हराया
महिला वर्ग:
सोनीपत ने भिवानी को हराया
रेवाड़ी ने यमुनानगर को हराया
रोहतक ने पलवल को हराया
बॉक्सिंग क्वार्टर फाइनल परिणाम:
पुरुष वर्ग:
50 किग्रा वर्ग:
लविश (पानीपत) ने राहुल (कैथल) को हराया
साहिल (भिवानी) ने लक्ष्य (रोहतक) को हराया
कृष्ण (पंचकूला) ने शकुन (करनाल) को हराया
तरुण सिंह (अंबाला) ने पार्थ (रेवाड़ी) को हराया
55 किग्रा वर्ग:
अनिल (करनाल) ने मोहित (पानीपत) को हराया
हिमांशु (यमुनानगर) ने रौनक (सोनीपत) को हराया
रविन (भिवानी) ने सागर (रोहतक) को हराया
दीपक (कैथल) ने नितिन (रेवाड़ी) को हराया
महिला वर्ग:
45-48 किग्रा वर्ग:
जसिन (अंबाला) ने आंचल (भिवानी) को हराया
नैन्सी (कुरुक्षेत्र) ने दिलप्रीत (सिरसा) को हराया
भारती (रोहतक) ने कुसुम (जींद) को हराया
अंजली (पंचकूला) ने सिमरन (कैथल) को हराया
48-51 किग्रा वर्ग:
मोनिका (भिवानी) ने रिया (चरखी दादरी) को हराया
स्वाति (पंचकूला) ने आरजू (रोहतक) को हराया
आरती (रेवाड़ी) ने माफी (कैथल) को हराया
शालू (हिसार) ने प्रीति (सोनीपत) को हराया
51-54 किग्रा वर्ग:
खुशबू (फतेहाबाद) ने पायल (पानीपत) को हराया
मुस्कान (रोहतक) ने प्रियंका (हिसार) को हराया
पायल (कैथल) ने मीनाक्षी (भिवानी) को हराया
रूचिका (रेवाड़ी) ने आरजू (सोनीपत) को हराया

क्लस्टर स्तरीय डीएवी कुश्ती प्रतियोगिता में कुश्ती खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

क्लस्टर स्तरीय डीएवी स्कूलों की कुश्ती प्रतियोगिता 2 एवं 3 अगस्त को डीएवी सेंट्रल पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड रोहतक में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के डीएवी स्कूलों के छात्र पहलवानों ने भाग लिया। जिसमें डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल सुनारिया के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण एवं रजत पदकों के साथ विद्यालय का नाम रोशन किया।

डीएवी जोन स्तरीय कुश्ती स्पर्धा में लेंगे हिस्सा

सभी विजेता खिलाड़ी अगस्त के अंतिम सप्ताह में होने वाली डीएवी जोन स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेंगे, इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्या रीना हरजाई, प्रबंधक वंदना कपूर, विद्यालय चेयरमैन आईजी वाई पूरन सिंह व खेल शिक्षक सनी बुधवार और सुषमा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

2 और 3 अगस्त को डीएवी सेंट्रल पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड रोहतक में आयोजित की गई

विजेता खिलाड़ियों का विवरण

अंडर-14 वर्ग	किलोग्राम	पदक
यश कादयान	38	स्वर्ण
रिहान	40	स्वर्ण
सागर	44	स्वर्ण
अक्षित	60	रजत
अंडर-17 वर्ग		
माणिक	60	स्वर्ण
सुमंगल	65	स्वर्ण
अमन	60	रजत
सार्थक	51	रजत
अंडर-19 वर्ग		
हिमांशु	65	स्वर्ण
जतिन	92	स्वर्ण

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी आज करेंगे प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जियो-फेंसिंग के लागू होने के विरोध में 4 अगस्त को सुबह 10 से 11 बजे तक सभी सिविल सर्जन कार्यालयों में एक घंटे का विरोध प्रदर्शन करेंगे। यह जानकारी डेंटल हाइजीनिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के राज्य महासचिव मोनू लाठर ने दी। उन्होंने सभी सदस्यों से इस विरोध में सक्रिय रूप से भाग लेने और इसे सफल बनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार बिना किसी संसाधन के जियो-फेंसिंग के माध्यम से स्थान-आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू करने जा रही है। किसी निजी कंपनी द्वारा बनाई गई यह प्रणाली कर्मचारियों की गोपनीयता पर हमला है और व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन है। राज्य अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की तालमेल कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने 8 जुलाई को मंत्री आरती राव, स्वास्थ्य सेवाओं की महानिदेशक डॉ. मनीषा बंसल, और एनएचएम निदेशक से मुलाकात की थी।

आईबी स्कूल में इंटर हाउस इंग्लिश वाद विवाद प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

रोहतक। आईबी स्कूल में इंटर हाउस इंग्लिश वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्कृष्ट तर्कशक्ति, भाषण कला और आत्मविश्वास का परिचय दिया। इस आयोजन ने छात्रों को अभिव्यक्ति और नेतृत्व कौशल को निखारने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह ने छात्रों द्वारा प्रस्तुत तर्क, आत्मविश्वास एवं स्पष्टता की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों में नियमित रूप से भाग लेने हेतु प्रेरित किया, जिससे उनका नेतृत्व व संप्रेषण कौशल और अधिक विकसित हो सके। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी।

परिणाम:
कक्षा 6 एवं 7
प्रथम : सन हाउस
द्वितीय: प्लूटो हाउस
तृतीय : मर्करी हाउस
कक्षा 8 एवं 9
प्रथम : प्लूटो हाउस
द्वितीय : मर्करी
तृतीय: सन हाउस
कक्षा 10 एवं 11
प्रथम स्थान: मार्स हाउस
द्वितीय स्थान: प्लूटो
तृतीय स्थान: मर्करी

कुमाऊ सभा के चुनाव सम्पन्न, आनंद सिंह कड़ाकोटी चुने गए प्रधान, रघुवर दत्त कांडपाल उपप्रधान बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

एकता कॉलोनी के सामुदायिक सदन में कुमाऊ सभा की नई कार्यकारिणी का चुनाव शांतिपूर्ण एवं सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। चुनाव में सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। जिसमें प्रधान आनंद सिंह कड़ाकोटी को चुना गया। जबकि उपप्रधान रघुवर दत्त कांड़पाल , महासचिव दीपक चंद्र भट्ट, सहसचिव पंकज सिंह तडियाल, कोषाध्यक्ष दरवान सिंह सौतियाल, मालसचिव भुवन चंद्र पाण्डेय, ऑडिटर कुबेर सिंह डंगवाल एवं सुरेन्द्र सिंह बग्ड़वाल, प्रेस सचिव भूपेंद्र सिंह जेठा, सांस्कृतिक सचिव ललित ठाकुर को चुना गया।

चुनाव अधिवेशन की अध्यक्षता वरिष्ठ सदस्य व समाजसेवी आरके पालीवाल द्वारा की गई। उन्होंने सभा के ऐतिहासिक महत्व एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विषय में विस्तार से प्रकाश डालते हुए, सभी उपस्थित सदस्यों को चुनाव संचारिता एवं संगठन की गरिमा पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ सर्वसम्मति से चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न करवाई। सभी पदाधिकारी बिना विरोध के निर्वाचित घोषित किये गए, जो सभा की एकता एवं सामुदायिक भावनाओं का परिचायक है। नवनिर्वाचित महासचिव दीपक चंद्र भट्ट ने सभा के समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त किया। प्रधान आनंद सिंह कडोकोटी ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि वे संगठन के सभी अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु हरसम्भव प्रयास करेंगे तथा समाज के युवा एवं वरिष्ठ जनों के सहयोग से संस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

वार्ड-22 में जर्जर गली, टेंडर के बाद भी काम ठप

रोहतक। वार्ड 22 में सुनारिया खुर्द से शुरू होकर शहीद बलजीत स्माधि व मंदिर तक जाने वाली प्रमुख गली आज भी जर्जर हालत में है। यह गली जोहड़ के पास से गुजरती है और वर्षों से कीचड़, जलभराव व गंदगी का अड्डा बनी हुई है। गली के किनारे रहने वाले करीब 30-35 परिवारों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। रोजाना गंदे पानी से होकर निकलना, बच्चों का फिसलना, बीमारियां और बदबू सामान्य बात हो गई है। गली में स्थित मंदिर तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

रोहतक। गली में हुआ जलभराव

सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराई थी

स्थानीय निवासी शमशेर बुधवार ने बताया कि क्षेत्रवासियों ने एकजुट होकर सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर अधिकारियों ने जवाब दिया कि गली का एस्टिमेट तैयार हो चुका है, गली तकनीकी रूप से पास हो गई है और 21 मार्च 2025 को टेंडर भी जारी हो चुका है। इसके बावजूद हैरानी की बात यह है कि चार महीने बीतने के बाद भी गली का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया। यह साफ दर्शाता है कि जनता के हितों को चुनावी राजनीति की भेंट चढ़ा दिया गया है। शमशेर ने बताया हमारी गलियों की फाइलें दफ्तरों में धूल खा रही हैं, और हम यहां गंदे पानी में बीमार हो रहे हैं। यह अन्याय है। जब काम की सारी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं, तो काम शुरू क्यों नहीं हुआ। उन्होंने प्रशासन की इस उदासीनता पर सवाल उठाया है।

शमशेर बुधवार

हेल्थ चेकअप कैंप में 250 लोगों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

एक्स सर्विसमैन फेडरेशन, महम के सहयोग से नवजीवन मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की टीम द्वारा गांव भैणी चंद्रपाल की नई चौपाल में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। इस कैंप में मरीज के चेकअप के अलावा बीपी, आरबीसी और शुगर की जांच की गई। इस कैंप के दौरान करीब 250 व्यक्ति लाभान्वित हुए। डॉक्टर्स की टीम का लगातार सहयोग करने के लिए एक्सससर्विस मैन फेडरेशन महम के गांव भैणी चंद्रपाल के लगभग सभी एक्स सर्विसमैन मौजूद रहे। एक्सससर्विस मैन फेडरेशन, महम द्वारा डॉक्टर्स व उनकी टीम को इस नैतिक कार्य को करने के लिए स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

पीजीआई में राष्ट्रीय अंगदान दिवस मनाया, वीसी बोले

अंगदान के लिए भी फैलाएं जागरूकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी में स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन सोटो द्वारा रविवार को राष्ट्रीय अंगदान दिवस मनाया गया। लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक करने के लिए ओपीडी से मेडिकल मोड तक एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि निदेशक डॉ. एसके सिंघल, डीन डॉ. अशोक चौहान उपस्थित हुए। उन्होंने रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि आज का समय अंगदान के प्रति जागरूकता लाने का समय है। एक समय था जब रक्तदान के प्रति काफी भ्रांतियां थी और लोग रक्त मांगने पर वहां से गायब हो जाते थे। अब लोगों की भ्रांतियां दूर हुई तो लोग लाइन में लगकर भी रक्तदान करने स्वयं जाते हैं। निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि लोगों को किडनी व लीवर की समस्या काफी ज्यादा आ रही हैं, इसलिए हमें अधिक से अधिक लोगों को बताना चाहिए कि हमारा शरीर मिट्टी में मिल जाना है, ऐसे में हमें अंगदान करना चाहिए।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, निदेशक डॉ. एसके सिंघल व डीन डॉ. अशोक चौहान।

रोहतक। जागरूकता रैली निकाली गई।

डीन डॉ. अशोक चौहान ने बताया कि यह जागरूकता अभियान तभी सफल होगा जब हम सभी इसमें अपना योगदान देंगे। सोटो के नोडल अधिकारी डॉ. सुखबीर सिंह ने कहा कि आज ओपीडी से मेडिकल मोड तक निकाली गई जागरूकता रैली में अंगदान के लिए रजिस्टर्ड मरीजों व उनके परिजनों को आमंत्रित किया गया था ताकि समाज में एक अच्छा संदेश दिया जा सके। डॉ. सुखबीर सिंह ने कहा कि अंगदान के लिए यदि कोई व्यक्ति अधिक जानकारी चाहता है तो वह चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में स्थित कमरा नंबर 17 में सोटो विभाग में संपर्क कर सकता है। मंच का संचालन ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर दीप्ति ने किया। इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉ. वरूण अरोड़ा, डॉ. महेश माहला मौजूद रहे।

मरीजों ने किए अपने अनुभव साझा

माता दरवाजा की रहने वाली कविता ने बताया कि 14 मई को पीजीआईएमएस में उनके पति को उनकी किडनी लगाई थी और अब उनके पति अपना सामान्य जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि वें सभी चिकित्सकों का तहे दिल से धन्यवाद व्यक्त करते हैं। वहीं एक गांव से आई महिला ने बताया कि गत दिनों उनके बेटे को संस्थान के चिकित्सकों ने किडनी लगाई थी और सभी चिकित्सकों का व्यवहार बहुत अच्छा रहा।

60 वीर नारियों और 60 वरिष्ट नागरिकों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सेक्टर 4 स्थित हरियाणा पूर्व सैनिक संघ भवन में संघ की रोहतक इकाई ने अपना वार्षिक समारोह बड़े जोश और उल्लास के साथ मनाया। जिसमें 60 वीर नारियों और 60 वरिष्ठ वेटरेन्स को विधिवत रूप से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता हरियाणा पूर्व सैनिक संघ के प्रधान कर्नल आर एस मलिक ने की। मेजर जनरल शमशेर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शिरकत की। जिला इकाई के प्रधान हवलदार शीलक राम लठवाल ने समारोह में पहुंचे सभी मेहमानों का हृदय की गहराइयों से स्वागत और अभिनंदन किया।

हरियाणा पूर्व सैनिक संघ के प्रधान कर्नल रणधीर सिंह मलिक ने कहा कि आपकी हर प्रकार की सुख सुविधा का ख्याल रखना हम पूर्व सैनिकों का परम कर्तव्य हैं। आपको कोई भी समस्या होने पर हरियाणा पूर्व सैनिक संघ आपकी मदद के लिए तत्पर है। वीर नारियों और वरिष्ठ वेटरन्स के साथ विशिष्ट अतिथियों और विभिन्न जिलों के प्रधानों को सम्मानित किया। वीर नारी धनपति देवी, सरोज बाला, सुलेखा, राजपति ,मूर्ति सहित 60 वीर नारियों को एक शाल 5100 रुपये का चेक भेंट कर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ योद्धा कर्नल सूरजभान, कैप्टन रघुवीर बुरा, सूबेदार ईश्वर सिंह, सूबेदार मेजर फूल सिंह वर्मा, सिपाही रामरूप मलिक, शौर्य चक्र राजवीर सिंह सहित 60 वेटरेन्स को एक-एक स्मृति चिन्ह और एक एक डोगा छड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया।